

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

विषय का विवरण विषय कोड परीक्षा का माध्यम
विज्ञान 200 हिन्दी
 स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लेगें

परीक्षार्थी का रोल नम्बर
141425211

शब्दों में
एक चार एक चार दो पाँच दो एक एक

हरपदार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छ	आठ

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तियों की प्रकृति कर।

प्रश्न क्रमांक पृष्ठ क्रमांक प्राप्तांक

1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		

हर एक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अकों में शब्दों में

परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक **07**

परीक्षा का दिनांक **20 03 14**

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
हाई स्कूल परीक्षा केन्द्र क्रमांक-142003

परीक्षार्थी का नाम एवं हस्ताक्षर Arin	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर भाहेर...
---	---

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरे उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार राखी गई होना काफ़ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुसंधान मुद्रा पर अकों की प्रकृति एवं अकों का योग सही है।

परीक्षा का नाम पदनाम मावाइल नम्बर परीक्षक क्रमांक एवं पदाधिकारी का मुद्रा लगाए।

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा Manjula Khare Lecturer	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा बबिता घोड़े (अध्यापक) शा.उ.मा.विद्यालय उमरानाला परीक्षक क्र.
--	--

कुल प्राप्तियाँ शब्दों में **पच्चीस**

प्राप्तियाँ अकों में

LaserJet Copier Label A4ST-16 99 1x33.9mmx16

desmo

LaserJet Copier Label A4ST-16 99 1x33.9mmx16

प्रश्न क्रमांक 1

उत्तर :-

उत्तर :-

(i) स्पिन

(ii) भूपर्पटी

(iii) स्पूतनिक - I

(iv) डैसिबल

(v) त्रिफला

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 2

उत्तर :-

'अ'

'ब' उत्तर

1. डायोप्टर

लेंस की क्षमता

2. घरेलू विद्युत परिपथ

समान्तर क्रम

3. बायोगैस

मेथेन

4. बुझा हुआ चूना

कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड

3

$$\boxed{e} + \boxed{1} = \boxed{e}$$

यों पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

अंक



प्रश्न क्र

5. ~~विभवान्तर~~ वील्ट

प्रश्न क्रमांक 3

उत्तर :-

(i) सबसे लम्बे तत्व का नाम हाइड्रोजन है।

(ii) बीलर ने प्रयोगशाला में पहली बार यूरिया यौगिक बनाया था।

(iii) शक्त की कमी से मनुष्य में एनीमिया रोग हो जाता है।

(iv) यूरिया का निर्माण शरीर में यकृत में होता है।

(v) टिड्डे में शौजन को गिजाई में पीसा जाता है।

प्रश्न क्रमांक 4

उत्तर :-

4

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पृष्ठ

कुल अंक



प्रश्न क्र

(i)

शंथक

(ii)

4

(iii)

कॉकरीच

(iv)

डार्विन

(v)

ऐलुमिनियम

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 5.

उत्तर :-

जोवियन ग्रह के प्रमुख दो गुण निम्नलिखित हैं :-

(i)

इन ग्रहों के प्राकृतिक उपग्रहों की संख्या अधिक होती है।

(ii)

यह ग्रह मुख्यतः गैसीय पिण्ड होते हैं अर्थात् इनका निर्माण गैसों से हुआ है।

प्रश्न क्रमांक 6

(अथवा)

उत्तर :-

जब आँख पास रखी वस्तु को स्पष्ट रूप से देख सके परन्तु दूर स्थित वस्तुओं

5

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 3 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

की स्पष्टतया न देख सके, तो इस प्रकार के दोष को निकट दृष्टि दोष कहते हैं।

प्रश्न क्रमांक 7

उत्तर :- "एन्जाइम की उपस्थिति में होने वाली जैव रासायनिक अभिक्रिया किण्वन कहलाती है।" दूसरे शब्दों में "वह रासायनिक अभिक्रिया जिसमें जटिल कार्बनिक यौगिक एन्जाइम की उपस्थिति में सरल कार्बनिक यौगिकों में अपघटित हो जाते हैं, किण्वन कहलाती है।"

प्रश्न क्रमांक 8

(अथवा)

उत्तर :- किसी चालक में विद्युत धारा प्रवाहित करने पर उसमें अर्थात् उस चालक के चारों ओर चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न होने की घटना, विद्युतधारा का चुंबकीय प्रभाव कहलाती है।

6

$$\sqrt{\quad} + \boxed{0} = \boxed{\quad}$$



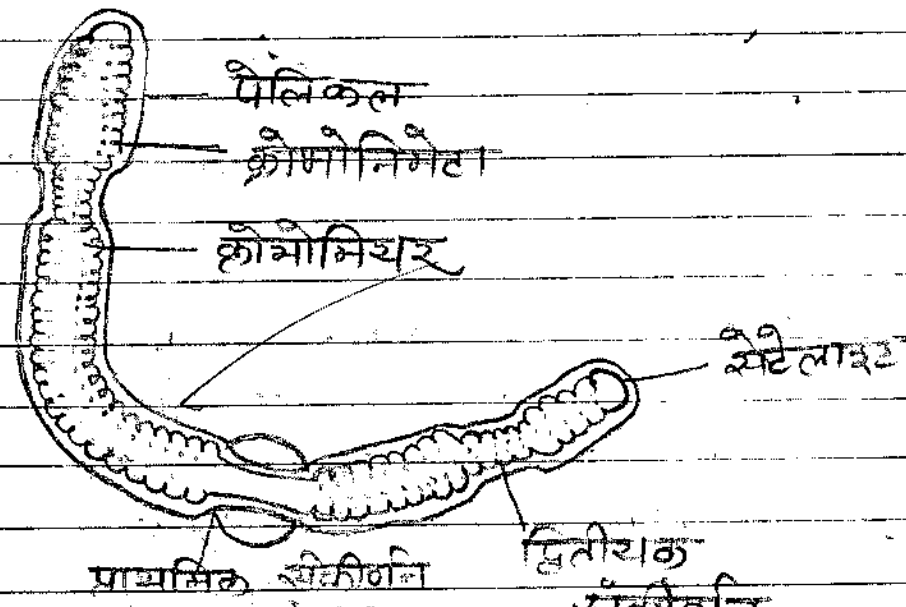
पृष्ठ 6

प्रश्न क

प्रश्न क्रमांक 9
(अथवा)

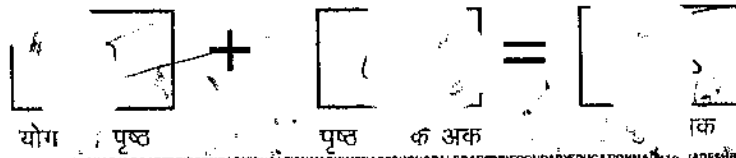
उत्तर :- गुणसूत्र :- सभी यूकेरियो-
टिक जीवों की
कोशिकाओं के केन्द्र में पायी
जाने वाली पतली धागेनुमा
संरचना जिसका आनुवांशिक
पदार्थ कोशिका द्रव्य में स्वतंत्र
रूप से न रहकर विशिष्ट
संरचनाओं के रूप में स्थित
केन्द्रक में स्थित होता है,
गुणसूत्र कहलाती है।

B
S
E



यूकेरियोटिक गुणसूत्र की संरचना

7



योग

पृष्ठ

पृष्ठ

क अंक

क



न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10

उत्तर :-

नाभिकीय विखण्डन

नाभिकीय संलयन

(1) इसमें एक भारी नाभिक दो हल्के नाभिकों में विभक्त होता है।

इसमें दो समान छोटे - छोटे नाभिक संलयित होकर एक बड़ा नाभिक बनाते हैं।

(2) यह अभिक्रिया नाभिकीय श्रृंखला में सम्पन्न कराई जा सकती है।

यह अभिक्रिया नाभिकीय श्रृंखला में सम्पन्न नहीं कराई जा सकती है।

(3) नाभिकीय विखण्डन अभिक्रिया श्रृंखला अभिक्रिया होती है।

नाभिकीय संलयन अभिक्रिया श्रृंखला अभिक्रिया नहीं होती है।

(4) नाभिकीय विखण्डन के सिद्धान्त पर परमाणु बम बनाये जाते हैं।

नाभिकीय संलयन के सिद्धान्त पर हाइड्रोजन बम बनाये जाते हैं।

B
S
E

8

[] + [] = []



भाग पूर्व पृष्ठ

8 का अंक

की

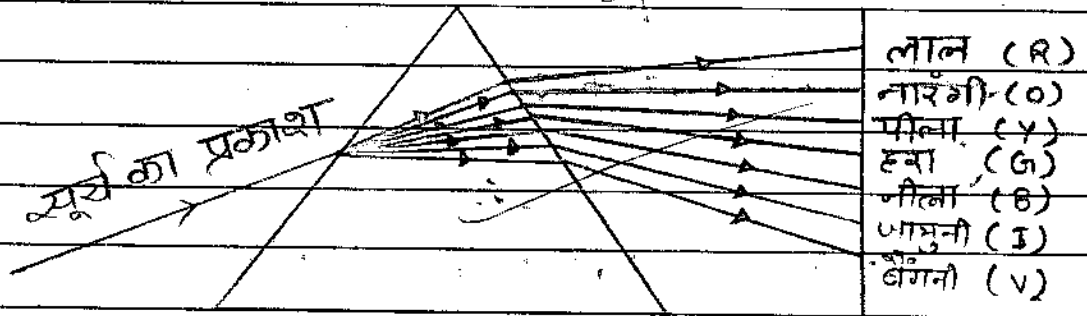
प्रश्न क्र

प्रश्न क्रमांक ॥
(अथवा)

उत्तर :-

जब श्वेत प्रकाश को प्रिज्म से गुजारते हैं तो वर्णक्रम प्राप्त होता है। चित्रानुसार जब सूर्य के प्रकाश को प्रिज्म से गुजारते हैं तब वर्णक्रम को पर्दे पर प्राप्त करते हैं तो हम देखते हैं कि वर्णक्रम में सात रंग हैं।

B
S
E



श्वेत प्रकाश का प्रिज्म द्वारा वर्ण विक्षेपण

इस प्रकार हम देखते हैं कि सूर्य का प्रकाश सात रंगों से मिलकर बना है। इसे प्रिज्म द्वारा सूर्य के प्रकाश का वर्ण विक्षेपण कहते हैं।

9

[] + [] = []

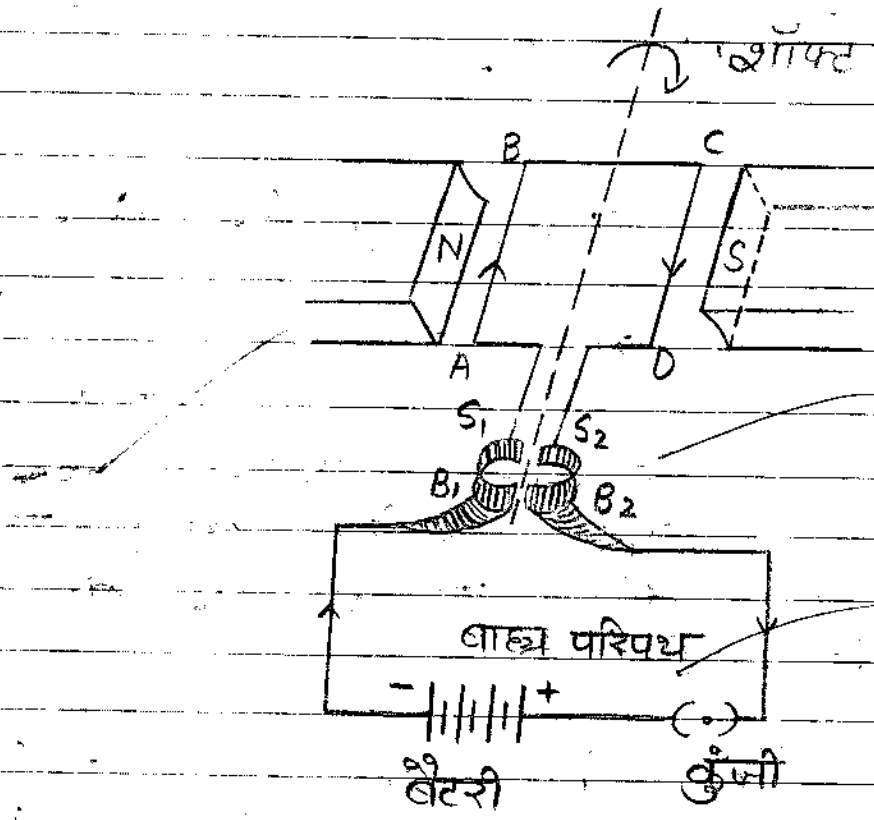


प्रश्न 1

प्रश्न कुमांक 12

उत्तर :-

(i) नामांकित चित्र :-



B
S
E

- ABCD → आर्मेचर (कुण्डली)
- N व S → क्षेत्र चुंबक
- S₁ व S₂ → विभक्त संपर्क
- B₁ व B₂ → ब्रुश

(ii) विद्युत मोटर के मुख्य भाग :-

10

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

योग पृष्ठ अंक अंक



प्रश्न क्र

(i) क्षेत्र चुंबक

(ii) आर्मेचर (कुण्डली)

(iii) विश्वकर्म स्पीवलथ

(iv) पृश्

प्रश्न क्रमांक 13

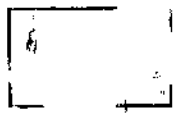
उत्तर :- बहुलीकरण :- छोटे अणुओं के संयोग से प्राप्त उच्च अणु भार वाले अणु प्राप्त करने की प्रक्रिया, बहुलीकरण कहलाती है।

बहुलकों के नाम व उपयोग :-

<u>बहुलक का नाम</u>	<u>उपयोग</u>
(1) पॉलीथिन	इसका उपयोग बरसाती वस्त्र रिवलॉने, बैग व थैलियाँ आदि बनाने में किया जाता है।
(2) टेफ्लॉन	बर्तनों पर न चिपकने वाला आवरण बनाने में।

B
S
E

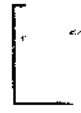
11



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 अंक

कुल अंक



3) पौली बिनाइल
क्लोराइड

बाइप वीतल
बैंग थैलियाँ व
विद्युत केबल के तार
आदि बनाने में।

15

प्रश्न क्रमांक 15

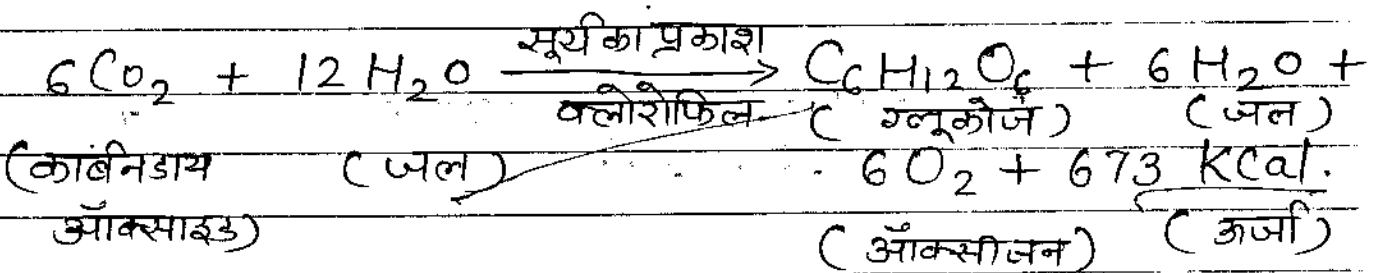
(अथवा)

उत्तर :- प्रकाश संश्लेषण :-

रासायनिक अभिक्रिया जिसमें हरे पौधे क्लोरोफिल की उपस्थिति में सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर कार्बन - डाय - ऑक्साइड व जल का संश्लेषण करके ग्लूकोज बनाते हैं तथा ऑक्सीजन गैस, सह उत्पाद के रूप में निकलती है, प्रकाश रासायनिक संश्लेषण कहलाती है।

एक जैव रासायनिक अभिक्रिया है।

रासायनिक समीकरण :-



B
S
E

12

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग पूर्व पृष्ठ

175

2

कुल अंक



प्रश्न

प्रकाश संश्लेषण को प्रभावित करने वाले कारक :-

(i) जल :- जल की कमी या अधिकता होने के कारण प्रकाश संश्लेषण की क्रिया प्रभावित होती है।

(ii) ताप :- 10°C से 30°C तक तीव्र गति से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया होती है। इससे अधिक ताप बढ़ने पर पौधे कुलस्पने लगते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक 16

उत्तर :- रासायनिक साम्यावस्था :- किसी रासायनिक उत्कमणीय अभिक्रिया की वह अवस्था जिसमें अभिकारकों व उत्पादों का सांद्रण अपरिवर्तित रहता है, रासायनिक साम्यावस्था कहलाती है।

रासायनिक साम्यावस्था की विशेषताएँ :-

13

$$\left[\begin{array}{c} \text{A} \\ \text{B} \end{array} \right] + \left[\begin{array}{c} \text{C} \\ \text{D} \end{array} \right] = \left[\begin{array}{c} \text{E} \\ \text{F} \end{array} \right]$$

योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक



श्न क्र.

(i) साम्यावस्था को केवल बंद पात्रों में ही प्राप्त किया जा सकता है।

(ii) साम्यावस्था में क्रियाकारकों व उत्पादों का सांद्रण अपरिवर्तित रहता है।

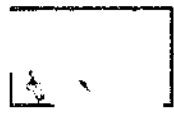
(iii) साम्यावस्था गतिक होती है अर्थात् साम्यावस्था में अग्र व पश्च अभिक्रियाएँ समान वेग से चलती हैं। साम्यावस्था कभी रुकती नहीं है।

(iv) उत्प्रेरक साम्यावस्था को प्रभावित नहीं करता। जबकि साम्यावस्था को शीघ्र सम्पन्न करने में सहायक होता है।

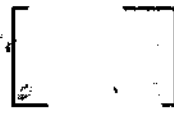
प्रश्न क्रमांक 17

उत्तर :-	धातु	अधातु
1) प्रकृति :- धातुएँ प्रायः ऑक्सीकारक होती हैं।		अधातुएँ प्रायः अपचायक होती हैं।
2) अवस्था :- पारे को		अधातुएँ प्रायः ठोस

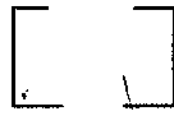
14



+



=



योग पू. पू.

पू.

कु. क



प्रश्न क्र

दोड़कर शेष सभी धातुएँ ठीक नहीं होती हैं।

द्रव व गैस तीनों अवस्थाओं में पाई जाती है।

3) चमक :- क्षार धातुओं को दोड़कर शेष सभी धातुएँ चमकदार होती हैं।

अधातुएँ प्रायः चमकहीन व धुँधली होती हैं। अपवाद :- हीरा व ग्रेफाइट।

B.S.F

4) तन्धता :- धातुओं के तार खींचे जा सकते हैं अर्थात् इनमें तन्धता का गुण पाया जाता है।

अधातुओं के तार नहीं खींचे जा सकते। यह भंगुर होती है।

5) अम्ल से क्रिया :- धातुएँ प्रायः अम्ल से क्रिया करके हाइड्रोजन (H_2) गैस मुक्त करती हैं।

अधातुओं अम्ल से क्रिया करके हाइड्रोजन गैस मुक्त नहीं करती।

6) धातुएँ ऑक्सीजन से क्रिया :- धातुएँ ऑक्सीजन से क्रिया

अधातुएँ ऑक्सीजन से क्रिया करके उदासीन व अम्लीय ऑक्साइड



करके धातवीय बनाती है।
ऑक्साइड बनाती है।

प्रश्न क्रमांक (18)
(अथवा)

उत्तर :- मौसमी पौधे :-
एक मौसम में वे पौधे जो एक वर्ष में अपने संपूर्ण जीवन-चक्र अर्थात् बीज बीने से लेकर बीज बनने तक पूरा कर लेते हैं, मौसमी पौधे कहलाते हैं।
उदाहरण :- पालक, मैथी, गेहूँ आदि।
मौसमी पौधों का वर्णन :-

1. तुलसी :- यह एक वषीय व बहुवषीय पौधा है जो कि भारत व दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में हिंदूओं के द्वारा इसकी पूजा की जाती है। इसका उपयोग आमाशयिक रोग, सर्दी, खाँसी, जुकाम, लकवा व जोड़ों के दर्द में किया जाता है।

प्रश्न क्र

(ii) अदरक :- इसका भूमिगत स्तंभ प्रकार (राइजोम) उत्तेजक व पाचकीय होता है। इसका उपयोग उल्टी, दस्त, अपतिसार, पेचिश व मूछी में लाभदायक है।

(iii) लहसुन :- इसका भूमिगत स्तंभ (बल्ब) हृदय रोग, मधुमेह, मूत्र रोग व वसा कम करने में लाभकारी होता है।

(iv) मैथी :- इसकी पत्तियों का उपयोग मुँह का स्वाद बनाने व घरे में सब्जी के रूप में किया जाता है। इसके बीजों का उपयोग मधुमेह रोग व वसा को कम करने के लिए किया जाता है।

(v) आँवला :- इसका उपयोग प्राचीन आयुर्वेदिक औषधि त्रिफला व च्यवनप्राश बनाने में किया जाता है। इसका उपयोग आमाशयिक रोग, अपच, उल्टी, पेचिश, अपतिसार में किया जाता है। इसमें विटामिन 'C' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

B
S
E

17

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

याग पूर्व पृष्ठ

क अंक



स क्र

प्रश्न क्रमांक 14

उत्तर :- रक्त :- यह एक द्रविय जलक है। यह अनेक जलीय पदार्थों का मिश्रण है। इसमें 90% जल व 1% अकार्बनिक पदार्थ तथा 7-8% प्रोटीन व 2-3% आवश्यक पदार्थ एन्जाइम, हार्मोन आदि पदार्थ पाये जाते हैं।

रक्त के कार्य :-

(1) रक्त आहार नाल में पचे हुए भोजन का अवशोषण कर शरीर की सभी कोशिकाओं तक पहुँचाता है।

(2) यह उत्सर्जी पदार्थों को उत्सर्जी अंगों तक पहुँचाता है।

(3) रक्त शरीर में उत्पन्न ऊष्मा को अवशोषण कर सम्पूर्ण शरीर में फैलाकर ताप को नियंत्रित करता है।

(4) यह शरीर में जल का संतुलन बनाये रखता है।

B
S
E



(5) रक्त अंतः स्रावी कृमियों से स्रावित हीमोग्लोबिन का स्थानांतरण करता है।

(6) लाल रक्त कणिकाएँ ऑक्सीजन के साथ मिलकर ऑक्सी-हीमोग्लोबिन नामक अस्थायी यौगिक बनाती हैं जो ऊतकों में पहुँचकर ऑक्सीजन व हीमोग्लोबिन में इट जाता है। इससे ऊतकों को ऑक्सीजन मिल जाती है।

B
S
E